INDIA NON JUDICIAL

सत्यमेव जयते

भारत

१०० रु.

Rs 100

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

कीमत जायदाद:— सम्पूर्ण सम्पत्ति का अनुमानित कीमत मो० १२,००० बारह हजार रुपये और प्रत्येक पक्ष के हिस्से के सम्पत्ति का अनुमानित कीमत मो० ४००० चार हजार रुपये मात्र।

विवरण जायदाद:— बमोजिब निम्न तफसील में वर्णित सम्पत्ति के "ख" वो "ग" में वर्णित है।

विदित हो कि इकरारनामा पक्ष गण का निम्न तफसील में वर्णित सम्पत्ति में मौजा पचार नगरी के अन्दर जमाबन्दी नं० २४ गत-सेटलमेन्ट में स्व० विदेशी बैठा वो स्व० बैजु बैठा के नाम से दर्ज है, वो प्रथम पक्ष वो तृतीय पक्ष के दादा वो द्वितीय पक्ष के परदादा विदेशी बैठा के नामसे दखल किमारी अलगा दर्ज है, वो मौजा मधुपुर बजार के अन्दर—

...ping with SL No......1

Signature .... [illegible]

Date.... ... ..1.4/9/81

S.V. No............ No......

[illegible]

विष्णु रजक

१४-२-८५

काँग्रेस रजक

१४-२-८५

[illegible]

[illegible]

पचास रुपया

भारत

INDIA

FIFTY RUPEES

५०रू.

50Rs.

-3-

[illegible]

बसौड़ी जमीन वो मकान जमाबन्दी नं. 9 चौथ फकीर चैथा के नाम से दर्ज है. और हम लोग पक्षगण उसके वर्तमान हकदार व दखलकार हैं।

अभीतक कुल सम्पत्तियों को हम लोग पक्षगण इजमाल में काबिज दखल करते आ रहे हैं लेकिन अब इजमाल में काबिज दखल रहना सम्भव नहीं है क्योंकि इसके चलते परिवार में बराबर झंझट होते रहता है इसलिए हम लोग पक्षगण आपस के सहमति तथा हित मित्रों के परामर्श से कुल इजमाल सम्पत्तियों का आपस में बंटवारा कर लिया।

उपरोक्त बंटवारा के मुताबिक जिसका "क" तफसील में वर्णित सम्पत्ति प्रथम पक्ष के हिस्से में "ख" तफसील में वर्णित सम्पत्ति द्वितीय पक्ष के हिस्से में तथा "ग" तफसील में वर्णित सम्पत्ति तृतीय पक्ष के हिस्से में मिली।

अतः आजतारीख हम लोग पक्षगण अपना अपना खुशी से मन और

-४-

शरीर की स्वस्थता में रह कर बगैर नशापान किये कर इकरार को अंगीकार करते हैं कि

१- पक्षकारान अपने अपने हिस्से की सम्पत्ति को स्वेच्छा पूर्वक भोग दखल की उन्नति करेंगे।

२- अब किसी भी पक्ष को दूसरे पक्ष के हिस्से की सम्पत्ति पर किसी तरह का हक्क या दावा दावी नहीं रहा।

३- पक्षकारान समान अंशों में वार्षिक खजाना व नगर पालिका कर अदा किया करेंगे।

४- मौजा पंचा नगरी के अन्दर खाता नं० २६८ में गली एवं कमरा तथा बाड़ी बगीचा सामिल मुदा खेसरा नं० १बी२ में "D" चिन्हीत अंश रकबा ०.६ डिसमिल सभी पक्षों के व्यवहार के लिये इजमाल रखा गया।

एतदर्थ हमने बहोश हवास तंदुरुस्त में रह कर बिना किसी के दबाव या बहकावे

कि आपसी आपसी विचार से मन और शरीर की स्वस्थता में यह बटवारा नामा लिख दिया और इसका हूबहू नकल हर एक को दाखिल कर दिया जो निम्न प्रकार काम आवे इति ता. १४ सितम्बर सन् १९८५ ई० को ———

प्रकाश रहे कि मधुपुर बाजार में बर्मा रोड स्थित मौजा नं० ५२ थोक से. फकीर पैठा का एकाएक खरीदगी सम्पत्ति है लेकिन नगर पालिका में वार्ड नं० १ के अन्दर होल्डिंग नं० १६१ व १६० जो क्रमशः फकीर पैठा और उनके लड़के स्व. गैरी रजक के नाम से दर्ज है तथा मौजा पथरचपटी के अन्दर प्लाट नं० २६८ में जो मकान है वह नगर पालिका के वार्ड नं० ४ के होल्डिंग नं० १२ प्रथम पक्ष व तृतीय पक्ष के नाना महादेव धोबी के नाम से दर्ज है और पक्षगण उपरोक्त सम्पत्तियों के वर्तमान मालिक हकदार व दखलकार है। तीनों पक्ष के बीच मकान का जो बटवारा हुआ है उसमें प्रत्येक पक्ष अपने अपने हिस्से की जमीन पर पारिवारिक देकर अपना अपना हिस्सा आबाद करें।

तफसील सम्पत्ति

क" तफसील सम्पत्ति जो प्रथम पक्ष नाना रजक के हिस्से में मिली।

[illegible] 15/8/25

-6-

१- खाता नं. २९८ जिला देवघर सबडिविजन की सबरजिस्ट्री देवघर थाना मधुपुर शामिल मौजा मधुपुर बाजार के अन्दर वर्तो ३ी एरिया की जमीन रकबा ४२० वर्ग फीट जिस जमीन का होल्डिंग नं. १२१/क मा. शेखर पंकज कुमार अन्दर हलका मधुपुर नगर पालिका वार्ड नं. १- होल्डिंग नं. १६० वो १६१ वर्तमान शामिल जिसका नक्शा नं. ५ में लाल रंग से रंगा हुआ "C" चिन्हित अंश जिसकी चौहद्दी:—

उत्तर:— रेलवे की जमीन—

दक्षिण:— नगर पालिका का रास्ता

पूरब:— गली बाद उसके लक्ष्मण मारवाड़ी का मकान—

पश्चिम:— द्विजेन्द्र नाथ अशोक कुमार के हिस्से का मकान—

२- खाता नं. २६१ जिला देवघर सबडिविजन की सबरजिस्ट्री देवघर थाना मधुपुर शामिल मौजा पत्थर नगरी के अन्दर जमाबन्दी जमीन और मकानादि अन्दर होल्डिंग नं. २४ वर्तमान शामिल जिसका नक्शा नं. १, २, और ३ की लाल रंग से रंगा हुआ "C" चिन्हित अंश—

मोला रजक बरजाद अजीम रजक
14-5-86

अजीम रजक
14/05/86

लिखा रजक

-6-

खसरा नं.	किस्म	रकबा हे.ए.
२६६	मकान वार्ड नं. ४ होल्डिंग नं. १४ का अंश	०.०१ 2/3
२६८	बाड़ी आवल	०.२३ 1/2
२६९	बाड़ी दोयम	०.०४ 1/3
२६५	धानाभेड़	०.०४ 1/2
२६७	धानाभेड़	०.०२ 1/3
२६८	मकान की बाड़ी वार्ड नं. ४ होल्डिंग नं. १२	०.०२ 1/2
२७३	धान आवल	०.१३
२७४	धान आवल	०.२१
२७६	धान आवल	०.०६
	योग	०.८१ 1/3

"ख" तफसील सम्पत्ति जो द्वितीय पक्ष अजीम रजक के हिस्से में मिली—

१- खाता नं. २८५ जिला देवघर सबडिविजन की रजिस्ट्री देवघर थाना मधुपुर सर्किल मौजा मधुपुर बजार के अन्दर बहीरी सर्वे की जमीन रकबा ४२० वर्गफीट जिस जुमले प्लाट नं. १ ... उपर पक्का मकान अन्दर इलाका मधुपुर नगरपालिका वार्ड नं. १ होल्डिंग नं. १४० व १४१

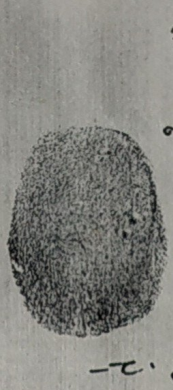

[illegible] 08-8-28

[illegible] 14/8/85

वर्णोजीत शामिल शुदा नक्शा नं० 4 में पीला
रंग से रंगा हुआ "B" निर्दिष्ट अंश जिसकी
चौहद्दी:

उत्तर:- रेलवे की जमीन

दक्षिण- नगर पालिका पक्का हाजी गली

पूरब:- प्रथम पक्ष के हिस्से का मकान

पश्चिम:- तृतीय पक्ष के हिस्से का मकान

2- खाता नं० 260 जिला देहात (खतौनी जिन की
रजिस्ट्री देहात खाता नम्बर 68 शामिल
मौजा पकड़ी नगरी के अन्दर जमाबन्दी जमीन
वो मकानादि वर्णोजीत शामिल शुदा नक्शा
नं० 1, 2, 3, वो 4 जो पीला रंग से रंगा
हुआ "B" अंश बाकी नं० 24

प्लाट नं०	किस्म	रकबा ए०डि०
266	मकान वाहिन 4 होल्डिंग नं० 14 का अंश	0.01 2/3
268	बाड़ी औवल	0.23 1/2
269	बाड़ी दौयम	0.04 1/3
302	बाड़ी औवल	0.11 1/2
266	चालाहेत	0.02 2/3

२६८	खाता सेत	०.०३½
२०५	खाता औवल	०.३१
२०८	खाता औवल	०.०८
	योग -	०.४२½

"ग" तफसील में वर्णित सम्पत्ति जो तृतीय पक्ष श्री विष्णु रजक के हिस्से में मिली

१- खाता नं० २६८ जिला देवास तहसील व जिला देवास खाता नम्बर शामिल मौजा नम्बर बजार के अन्दर चौड़ी मय की जमीन रकबा ४२० वर्ग फीट मिन जुमले खसरा नं० १२७/क मय उस पर पक्का मकानादि अन्दर हलका नम्बर नगर पालिका वार्ड नं० १ होल्डिंग नं० १६१ व १६० कसीजीत शामिल खुदा खाता नं० ५ जो लाल रंग से रंगा हुआ "A" चिन्हित अंश जिसकी चौहद्दी:

उत्तर:- रेवती की जमीन

दक्षिण:- नगर पालिका का हाजी गली

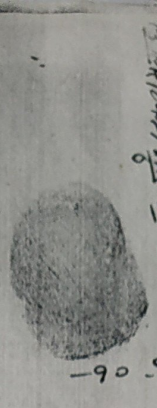

[illegible]

पूरब:— द्वितीय पक्ष के हिस्से का मकान

पश्चिम:— रवीन्द्र सिंह का मकान

2- खाता नं० 261 जिला देवघर सबडिविजन रजिस्ट्री देवघर थाना मधुपुर शामिल मौजा पथर नगरी के अन्दर जमाबन्दी जमीन की मकानादि की जोत शामिल शुदा नक्शा नं० 1, 2, 3, और 4 जो लाल रंग से रंगा हुआ "A" चिन्हित अंश चौका नं० 24

प्लाट नं०	किस्म	रकबा ए०डी०
266	मकान वार्ड नं० 4 होल्डिंग नं० 14 का अंश	0.01 2/3
268	बाड़ी औवल—	0.23 1/2
261	बाड़ी दोयम—	0.04 1/3
302	बाड़ी औवल—	0.11 1/2
266	चालासेम—	0.02 2/3

EDMI NOTE 5 PRO

- ११ -

भोला रजक बा० मौ० रसलपुर
१४-८-८५ हि०

उंगली का निशान
भोला रजक
विश्वा रजक

१८८ खाता खेवट — ०.४३

जोड़ ०.६०

गवाहान
जगदीश रजक
मधुपुर
हरेकृष्ण रजक
सा! मधुपुर मीनाबार
१४.८.८५

पक्षगण को दस्तावेज पढ़कर सुना व समझा दिया
कातिब लालगोविन्द प्रसाद सिन्हा
डीड राइटर देवघर
१४/८/८५

Md. Ekr... Haque
Haji Gali Mad Lupur
14-9-85 मौ० रसूलपुर हक

विश्वेश्वर नाथ पाण्डेय
सा० मीना बाजार मधुपुर
१४-८-८५